

१ॐ नमः ४ गा कृ मून ॥ या वा जि का कं ॥ श्री ग ग वानू वा च ॥ ला का वा र्ण प्र व का मि स खाना श्र हि गान व । य न स श्रः
 य ग नि र्ण, रु कि मू कि रु ल म् व ग ॥ ॥ रु मं श्र श्री ४ ला क या, व व रु न र्ण, ऊ न द्वा य द्वा य धा व सा, ला क या र्ण, क ल्या न
 या य या ग न, सू ना न, ध या ना जि को स द्वा या धा, व न व य व सा, रु कि र्ण, मू कि र्ण वा यी व ॥ ॥ सू था ग व र्ण, व य दं द
 व, सू द्र आ ल्मा या द्वा व, यू र्वे द्र स्त्र या द्वा, शि न र्कं (श्र) द्वा व, ध म जा गा व र्ण द या, ध व (गा रु र्ण, डा र्कं ध व या जा य या य, श्र
 गु या य ॥ ॥ ऊ र्ण श्र गु धून का व, जि गा र्ण ग, न्या स या य, धून द्वा व, न ग व न पि रु र्ण, व न्य, द्वा श्रि ध रु र्ण, वा क र्ण ध रु र्ण, ग ना

बालाङ्गा

लखदगं, अनीयिरुचान्ध ॥ ॥ बालाङ्गाययार्ग, वाकाय, वर्णयारुदन, वन्द, वाक्कल, शिद्ध, धर्मस, नायीववाकाय, ना
जाया, कादूवाकाय, थक्कलया, ॐयवाकाय, गूदयाकादूवाकाय, थर्ध, वर्णशदनवाकाय ॥ वावाययार्ग, दन्क काष्ठ
काय ॥ बुद्धजागयार्ग, वाजायार्ग, थक्कलया, गूदयार्ग, आग्यजाग्य, वाकायाव, वाकाय, मगवथायधर्म, धर्म
स, मगव, धवयाथायसंमगव, धैयसवावसं, सनीयसंमगव, मगानसंमगव, अगिमशिवसंमगव, धर्मथायसं
सं, वाकायमगव, खिरुयमगव, विणयण, गा० संमगव, नलिदसंमगव, लासंमगव, मधुयसंमगव, यत्तपूर्व

गंमगव ॥ दन्ककाष्ठसि, दूद्धधावसा, दूदूखाकसि, दूवीलसि, खयलसि, अम्यसि, वूलसि, अर्कसि, आयामानेसि, क
दम्बसि, धर्मसि, दन्ककाष्ठमगव, धर्मगामदगसा, गिरवलअगवूर्णमगव, सिवादगसा, व्यार्गुलीहावकयमाण
धर्मगामदगसा, धर्मगामसिरोहवण, वायानसूचि, इव, धर्मदन्ककाष्ठकायजाग्य ॥ यिरुचान, यलिमानका
य, सुमिस, जाललायाव, गामालसगय, नानमवाय, ॐगानकालाकसाय, खिरुथर्ग, वाकाथर्ग, ॐगानः
कावाकसाय, दूगुदियकल, थथदव, सूर्यवसुर्न, पूर्वसाय, वाक्किजासुर्न, उगलसाय, गानियिलवा, वाक्क

सदा, दक्षिणसाय ॥ मर्लं मूर्धं, धूनकाव, शुचियाय, द्वायां लिखन शुचियाय, लिथ्यां चानवाय शुचि ॥ यावन्तु ॥
 थ्यां डथ्यां, मर्लं, नामदस्यर्मां, मर्लं, गथ्यां लाहानमर्लं, अथ्यां, स्वाभर्मां, लिगर्मां मर्लं ॥ स्वधाल ३ दाधाल ३ क्रसधाल १
 चानवायाव, वायधूनकाव, धनकुन्नि, नासियाययीव, गृहसूयनिस, धनस, सूचिधर्म, विगणधलकया २
 थ(थ्यां) ॥ शुचियाय, धलकया, दूगणन, ग्राम(ण)लकया, ग्राम(ण)वकया दूगणन, शिद्धया, लाहान, कुनि, सिया
 व, कृत्त, खाल, धिस्य, नासियनयीव, आत्मागी(थेन), सदासूचिहर्ल ॥ सदाव, यचिमया, चानन, नासियसा ॥

चान, नासियाथ्यां, डथ्यां, नासियगथ्यां धावसा, यचिमया, चानकाल, धवयागा, चालावा, कावावा, अकलन
 काल, धिगुलाकयागं, दूनाया, दधून, धमनासिय, धवजायास, नासिय, कुनिसिय, लाहानसिय, वगलिनाय,
 सारुन्या, गाभालणमथास्य, शुचिहर्ल ॥ ॐ विगुचिकर्म, यात्राजिकासङ्काया ॥ ॥ शिद्धयनिस, ध्याननस्नान, ग्राम
 (ण)वकया, मनुन, स्नान, धलकया, लिखनस्नान, विगणधन, वाक्कनया, लिखनस्नान ॥ गलीलस, धाव, गुध्यावद
 व, कृद्धधावसा, मिखानिगुचि, कासनियाव, कस्थानियाव, कृद्धध्याल, मार्गकृद्ध्याल, मृगकृद्ध्याल, सकलन, गुध्या
 लन, मेवद्विधधाय, दूर्गेधधाय, नाधाव, शिवा, धनगुधानस, अयविगुधव, कृद्धधावसा, धावि, द्वि, क्रसथा ३

खयिल, खि, था, धर्यं शुद्धयायन, सदां स्नानयायमाल, शुद्धयुरुर्वी ॥ द्वायां लखनस्नान, लिथी, मनुनस्नान, लिथी
ध्याननस्नान, लिथी लज्जाननधूमा ॥ यावत् स्नानयास्यं निर्या, मया, धवगि, गिमसि र्य, धवस्कीलखलाय, अस्नान
न, गिसि र्यलि, धवस्की, लखलालसा, स्नानया दानि स्फूर्त् ॥ श्रीरगवान्, गाक्कमनिडवाच, रुवासिष्ठगिष्ठसि ॥ वा ३
सिष्ठडवाच ॥ वासिष्ठन, गाक्कमनियार्क, धूवकली, रुगोगम, रागवगोळलथावस, आधन, धूवाण, समस्की, धन
धूना, रुनी, थायधर्मोयार्य, धनवाच्छ, जन ॥ श्रीरगवानूवाच ॥ गृधूवासिष्ठवामि, आचार्यचविधानकी, शुशाः

शुशविणधल, सर्वभवसमाशग ॥ गाक्कमनिन, आधनदयकर्त, रुवागिष्ठ, चवचयनी, विधाननी, सीरुनी, मशिठनी
समस्की, समासन, जनक्याय, रुनठळा ॥ रुद्विजसर्कम, द्वायां स्नानविधिनी, जलदाननी, नीर्थसनी, समस्की, विधान
याकन, क्लाय ॥ ॥ उं वं कावात्यर्त्तं शुद्धस्फुटिकवर्त्त, रीर्वं वडादकहुं र्गिदिरावा ॥ ॥ धनं जलरावना, धन
धीर्षधरुन, रुगिर्षधरुन, लखसाधनमनु ॥ अथवा, धार्थीनव ॥ ॥ उं अमृगजलहुं ॥ लखगोधनमनु ॥ उं यथा
रुिर्जगताग्रिनस्नायिनासर्वगथागगासु धारु, स्नायविम्यामिसुद्धदिवानवानि ॥ उं अ ४ सर्वगथागगाशिषकसमथ

आलाङि का

प्रियं ॥ ॥ स्नानमनु ॥ धनं धनं धनं, गारुधनं धनं, हिनितधनं भालसवय ॥ ॥ उंकायविधधनखाहा ॥ कसियम
नु ॥ ॥ उंकीं गुरुमंजीवमआखाहा ॥ नासिय ॥ धनं गंगास ॥ उंरु ८, नगल ॥ नमहि, कयाल ॥ खाहा, वसीयालस ॥ ॥
वांमदु, वाहुनिगुलिंसी ॥ हंरु ८, मिखा निगुलस ॥ ॥ रुदुरुदुहं, सर्वो ग, नुगुलस ॥ ॥ रुनीं थलयावाहा धन, न्या ४
सयाय ॥ उंवं, मेरुस ॥ जांथां, नुगुलस ॥ कींभां, दूधस ॥ उंकीं, कयालस ॥ हंरु, वसीयालस ॥ रुदुरुदुहं, सर्वो ग, नुगु
लस ॥ ॥ धवगिनीमसिसी, धवस्क, लीखहाल ॥ उंगु नुथानम ८ ॥ धमशावयकाधवसं, धूनकाव, यिगुलाकयामं ॥

धवगिया गिगन्य ॥ ॐ गिगानविधि ॥ ॥ वाठविय, कथा लंगव १, स्वथालंगव २, कथा लंगव ३ ॥ ॐ समन्ताय वीक्षा ॥
 द्रवत्रयं द्रवत्रयं ॥ धमन्तुन, कासिय ॥ जवर्जुगुलीन्याग ॥ खवर्जुगुलीन्यास ॥ लाहर्ग, लाहर्ग दाय ॥ कयालसथि
 य ॥ कनू ० सथीय ॥ नूगलसथीय ॥ लाहू सथीय ॥ गुगि सथीय ॥ भा न सथीय ॥ मीखा सथीय ॥ कसथाग सथीय ॥ कास स
 थीय ॥ कूधू सथीय ॥ नूगल सथीय ॥ लाहू सथीय ॥ समसूसी सथीय ॥ जववाहा सथीय ॥ खववाहा सथीय ॥ कूधू सथीय ॥
 नूगल सथीय ॥ जवयू ० सथीय ॥ खवयू ० सथीय ॥ ॐ गिन्यागविधि ॥ ॥ नित्यकलया, आसन, क्लाय ॥ ॥ धलनिः

दलितश्चैव यावानवाधिभवत् । उत्तमकवलशिक्षया, यगच्छाधिविनिरुल्ल ॥ वासथाकाव नित्यकर्मयोगसाः
 नासनशयिव ॥ लाहसथाकाव नित्यकर्मयोगसा, लागिशयिव ॥ सुखलि, मगुद्धा, विलिङ्ग, पु, वास, सथाकाव
 नित्यकर्मयोगसा, उत्तमकशयिव ॥ लफस, रुवसथा, नेसा, नित्यकर्मयोगसा, निरुल्ल ॥ ॥ ग(ध)माना, ध(ध) ॥ ३ ॥ ५
 वृकभाहनीश्चैव, ज्ञानवृष्टि, कृष्णाजिन, वायुजिनाथभादथ, सर्वसिद्धि, ककमृव ॥ ॥ ध्वनया, क्ववृलिसः
 थाकाव, नित्यकर्मयोगसा, भाहनशयीव ॥ कालसाकवृलिस, थाकाव नित्यकर्मयोगसा, ज्ञानवाधनयिव ॥

धूयाकवृलिसथाकाव, नित्यकर्मयोगसा, भादवायीव ॥ कादूसम्यसथाकाव, नित्यकर्मयोगसा, समस्त
 सिद्धिवायीव ॥ शिक्षया, शाउन, नयथागाववाधाय ॥ यूवो, वाकिस, कसद्यनिनद्धा, नयमभव ॥ सर्वधिस
 कलर्स ॥ उयासक, ग्रामणवक, यत्रक, यनिसरुक्काया, निरात्र, मकिनाल, नयदव ॥ निरात्र, विस्यलि, नय
 मभव, असाधर्मोयायावन, असानिमिश्रशाड, असा आगमयूजास, धनवालीकन, निरात्रकिस्यर्ना, नलसा
 यगन, नयाशाडथा, निरुल्लशर् ॥ वन्दवाकनया, गिकानथायप वाजाया, वगुल ० धकलया, यकाण

□ शुद्धया, लंखनकाय ॥ अस्मिन्क धाय, अङ्गाग, अन्न, यान, अरुद्ध धाय, गालना, मनया, ककुग, खा, आदिनी
नलसा, निर्या, सायानया वाठ था, रुभा, शाङनयान, लि, धलनलस, सायानया था ॥ दया, धलनिनय, लि था
शाङ वा मा गिर्वनकाव, धनिगय, सकलगां धूनकाव, दूदयायानमूल्या, दूदयाया, नलकाव, भवगांनयमगव
॥ गाललस, नयावलस, भालकांन, मगव, शायमगव, यूँनयितन, नाकाग, गयमगव, वीस, यननमदूर्य
नामगव, दलमगव, धनभालशमाल ॥ वगीयनिर्या, नयस, दक्षिणस्त्राय, मगव, याक, वसगन, गियावन